मैरी स्क्लोडोव्स्का क्यूरी

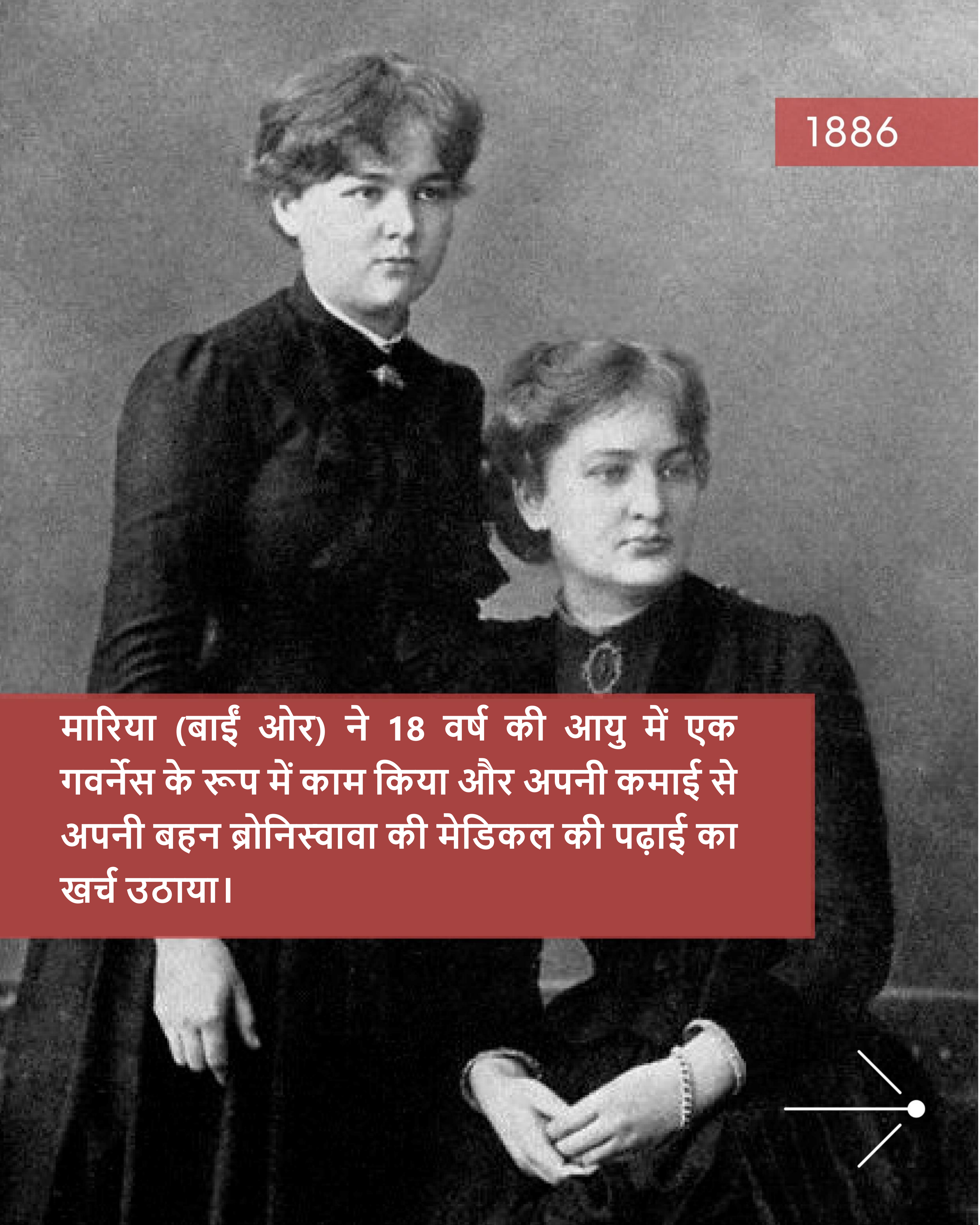
तस्वीरों में जीवन



Archives du miroir, 1903. © Musée Curie (coll. ACJC)



Photo: Rene Moreau, Nobel Foundation Archive



1886

मारिया (बाईं ओर) ने 18 वर्ष की आयु में एक गवर्नेस के रूप में काम किया और अपनी कमाई से अपनी बहन ब्रोनिस्वावा की मेडिकल की पढ़ाई का खर्च उठाया।



1891

स्कोडोव्स्का अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए पेरिस चली गईं और "मैरी" नाम का उपयोग करने लगीं।

Public Domain via Wikimedia Commons



1895

मैरी की मुलाकात पियरे क्यूरी से 1894 में पेरिस आने के बाद हुई। अगले ही वर्ष उन्होंने विवाह कर लिया – यह उनके विवाह का चित्र है।

Copyright © Association Curie Joliot-Curie, Photographer unknown



1895

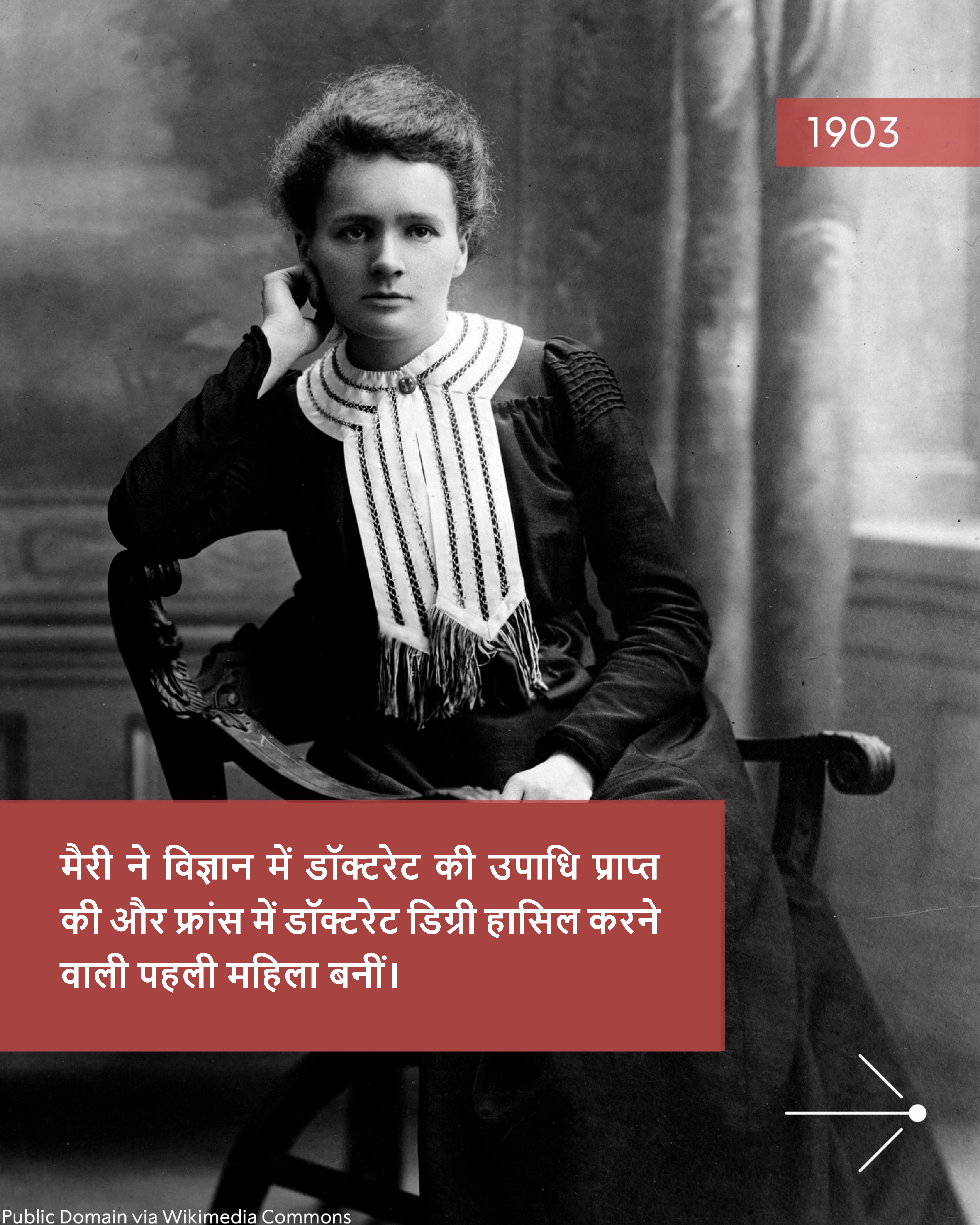
पियरे और मैरी क्यूरी अपने हनीमून पर साइकिल चलाते हुए।

Copyright © Association Curie Joliot-Curie, Photographer unknown



मैरी, पियरे और उनकी बड़ी बेटी इरेन, अपने पेरिस स्थित घर के बगीचे में।

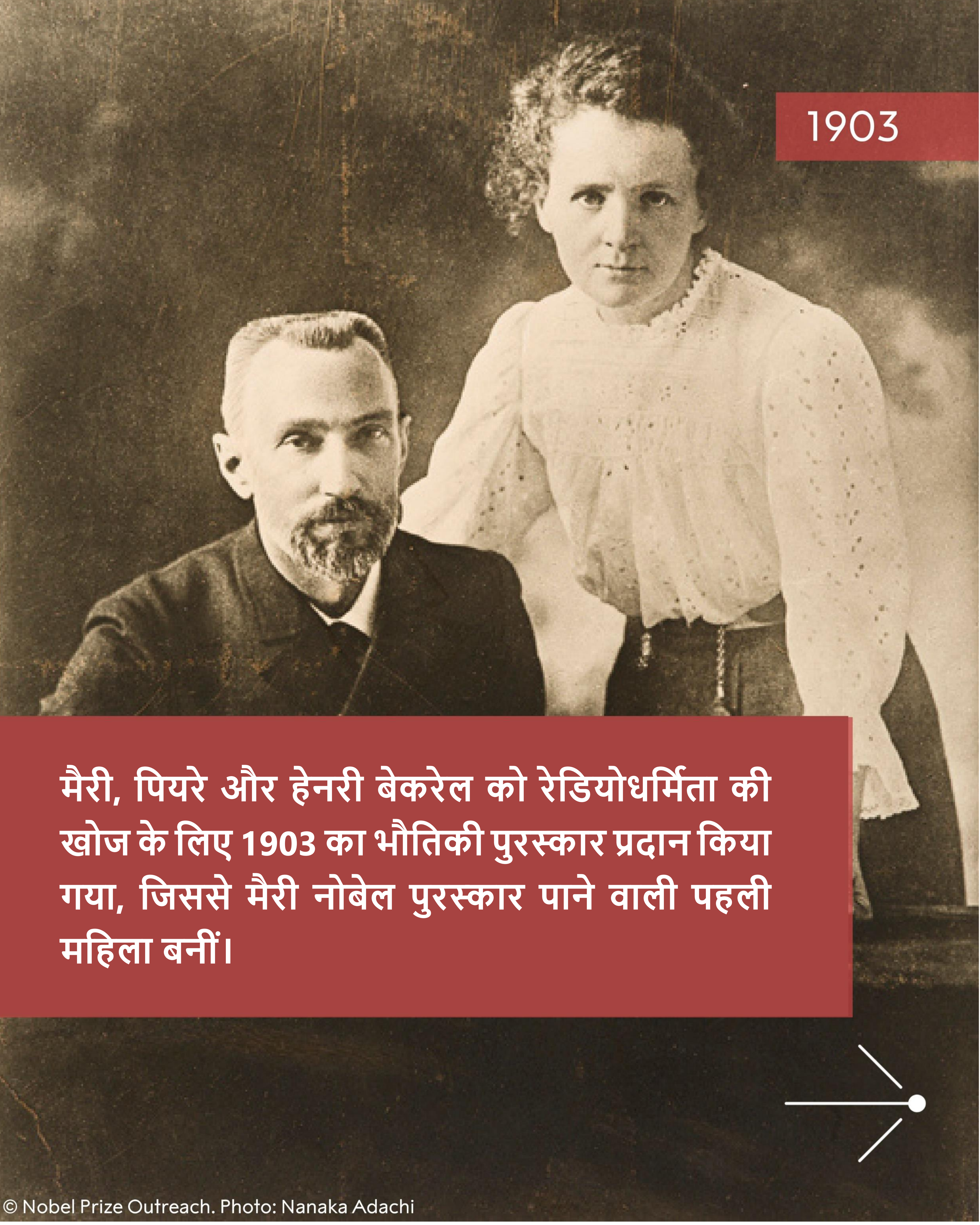
© Photos.com/Jupiterimages via Britannica



1903

मैरी ने विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और फ्रांस में डॉक्टरेट डिग्री हासिल करने वाली पहली महिला बनीं।

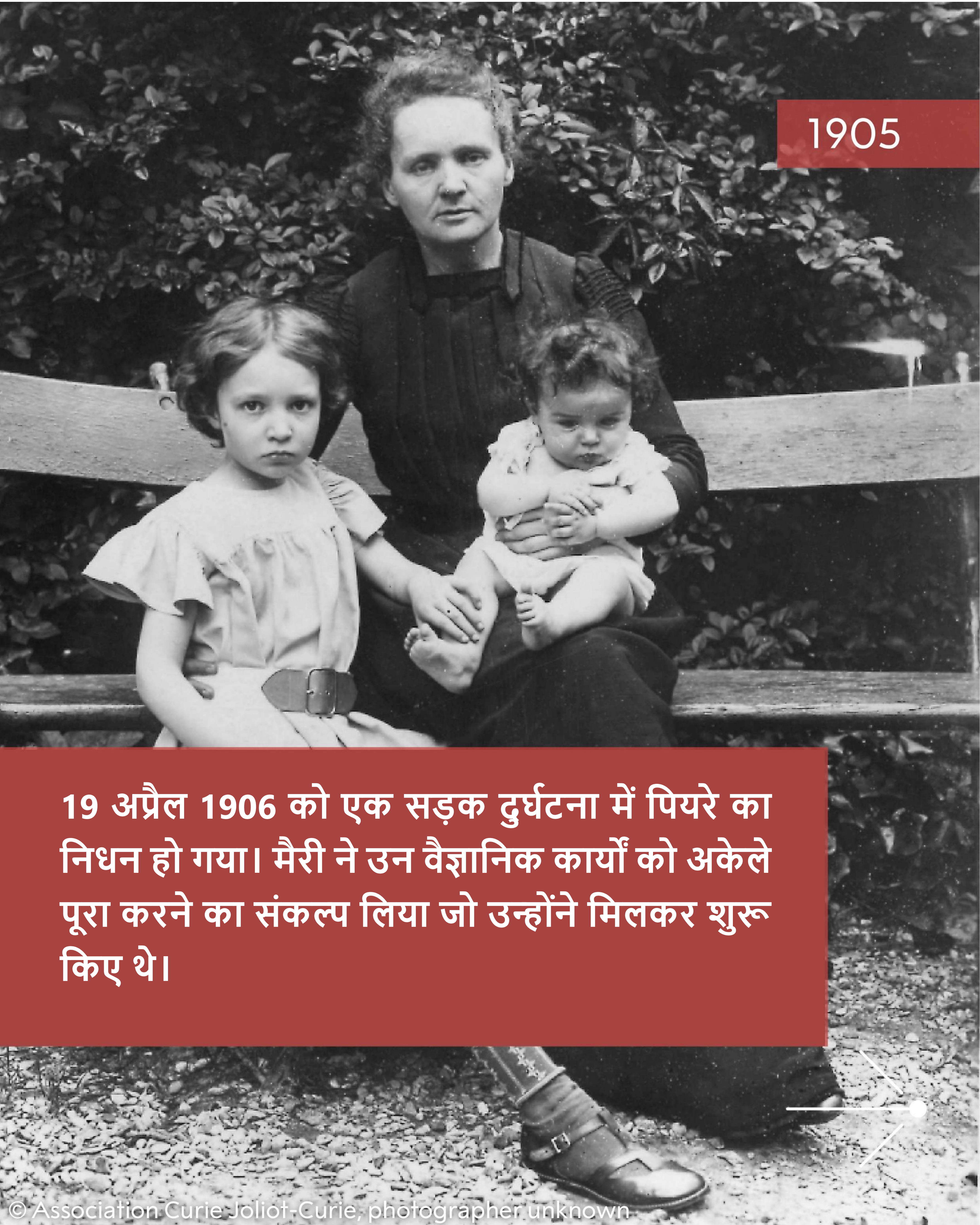
Public Domain via Wikimedia Commons



1903

मैरी, पियरे और हेनरी बेकरेल को रेडियोधर्मिता की खोज के लिए 1903 का भौतिकी पुरस्कार प्रदान किया गया, जिससे मैरी नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली महिला बनीं।

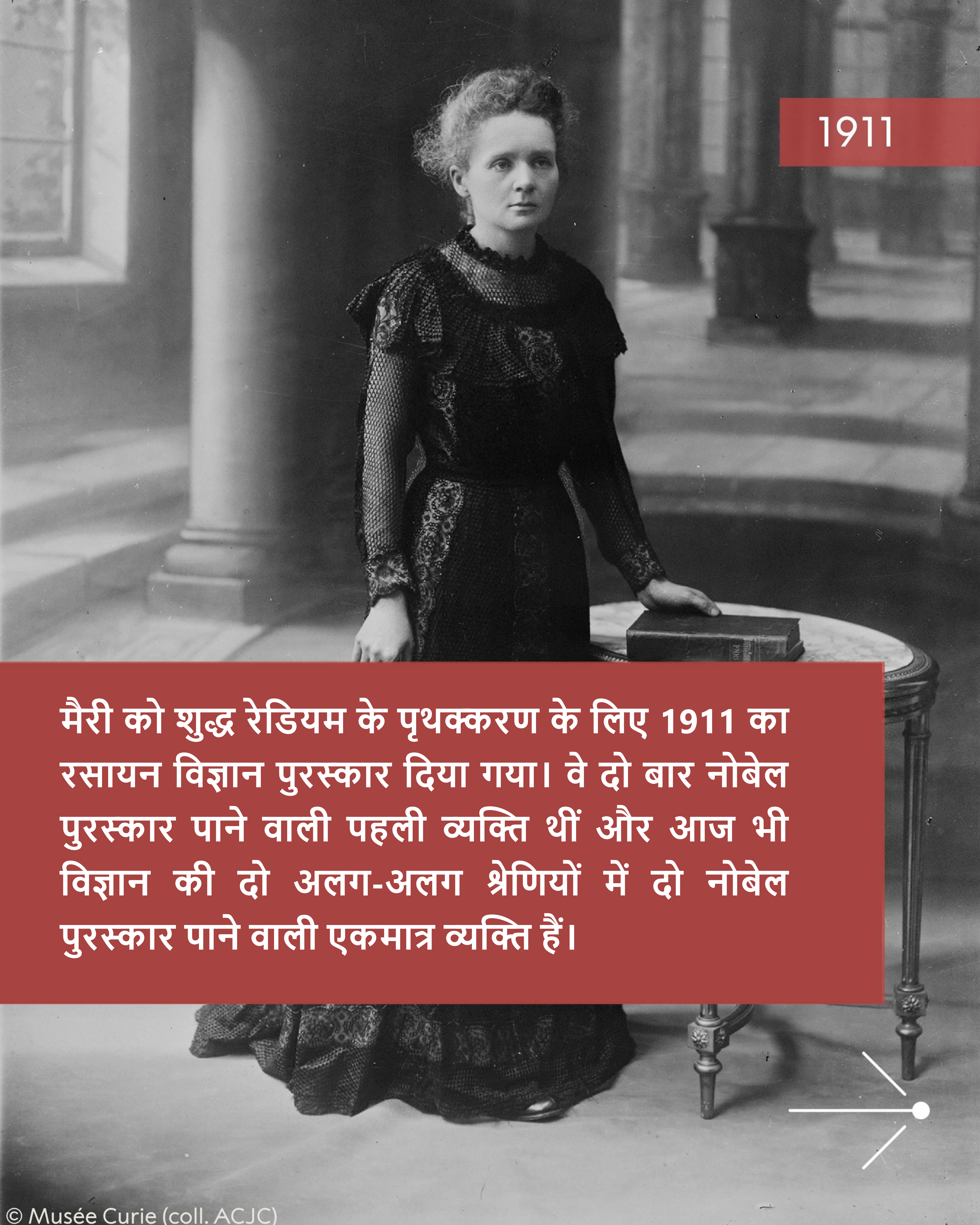
© Nobel Prize Outreach. Photo: Nanaka Adachi



1905

19 अप्रैल 1906 को एक सड़क दुर्घटना में पियरे का निधन हो गया। मैरी ने उन वैज्ञानिक कार्यों को अकेले पूरा करने का संकल्प लिया जो उन्होंने मिलकर शुरू किए थे।

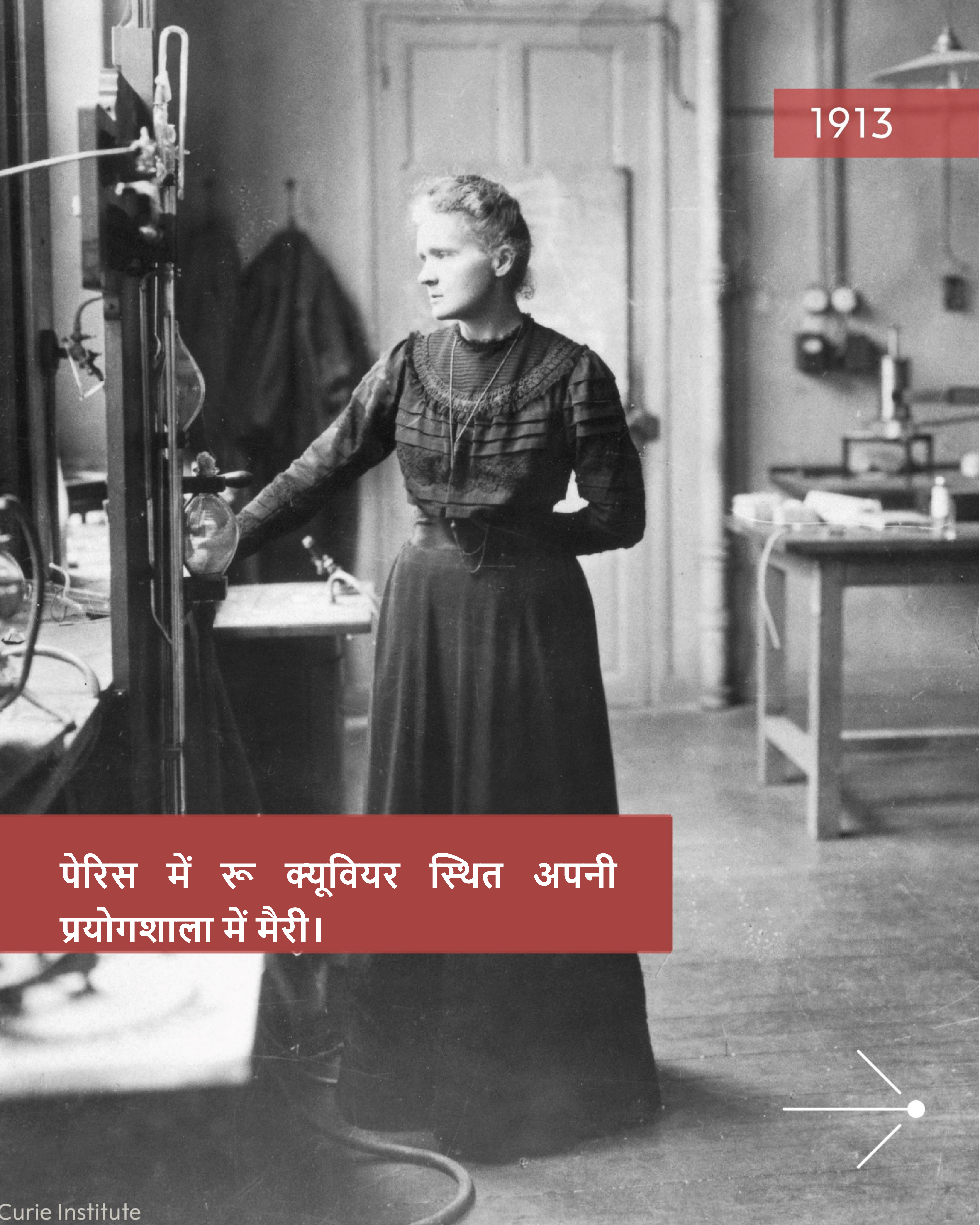
© Association Curie Joliot-Curie, photographer unknown



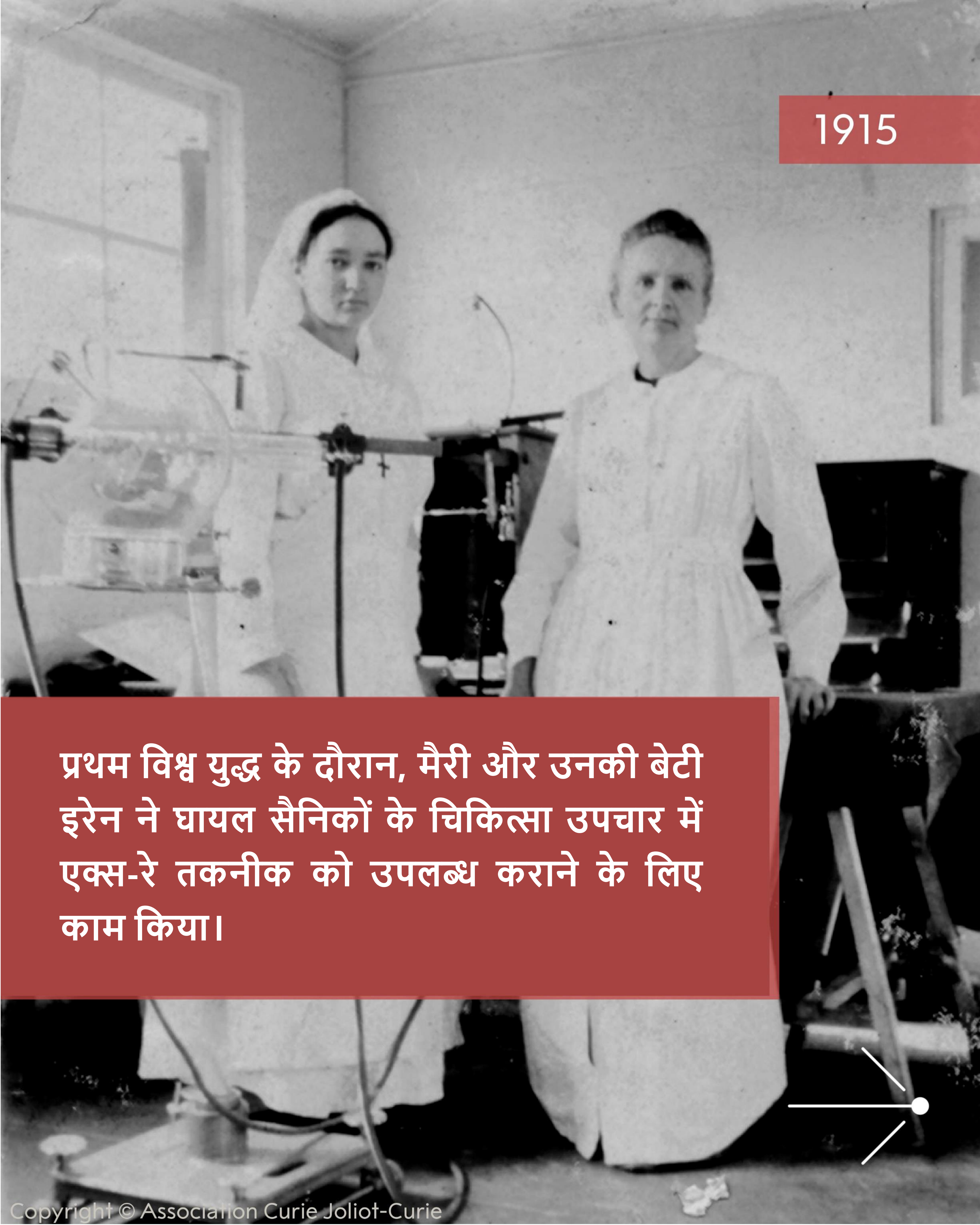
1911

मैरी को शुद्ध रेडियम के पृथक्करण के लिए 1911 का रसायन विज्ञान पुरस्कार दिया गया। वे दो बार नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली व्यक्ति थीं और आज भी विज्ञान की दो अलग-अलग श्रेणियों में दो नोबेल पुरस्कार पाने वाली एकमात्र व्यक्ति हैं।

© Musée Curie (coll. ACJC)



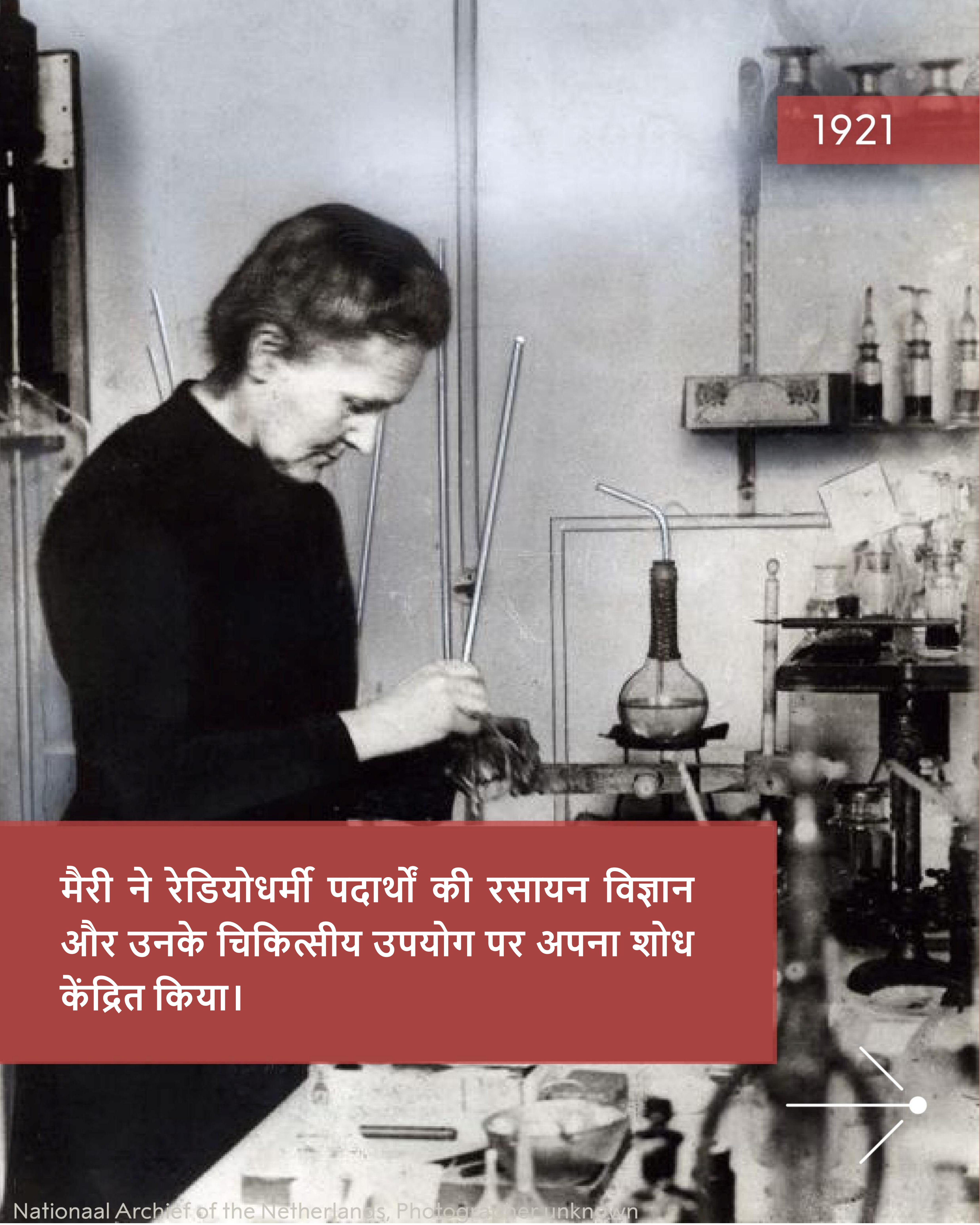
पेरिस में रू क्यूवियर स्थित अपनी प्रयोगशाला में मैरी।



1915

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, मैरी और उनकी बेटी इरेन ने घायल सैनिकों के चिकित्सा उपचार में एक्स-रे तकनीक को उपलब्ध कराने के लिए काम किया।

Copyright © Association Curie Joliot-Curie


1921
मैरी ने रेडियोधर्मी पदार्थों की रसायन विज्ञान और उनके चिकित्सीय उपयोग पर अपना शोध केंद्रित किया।
Nationaal Archief of the Netherlands, Photographer unknown

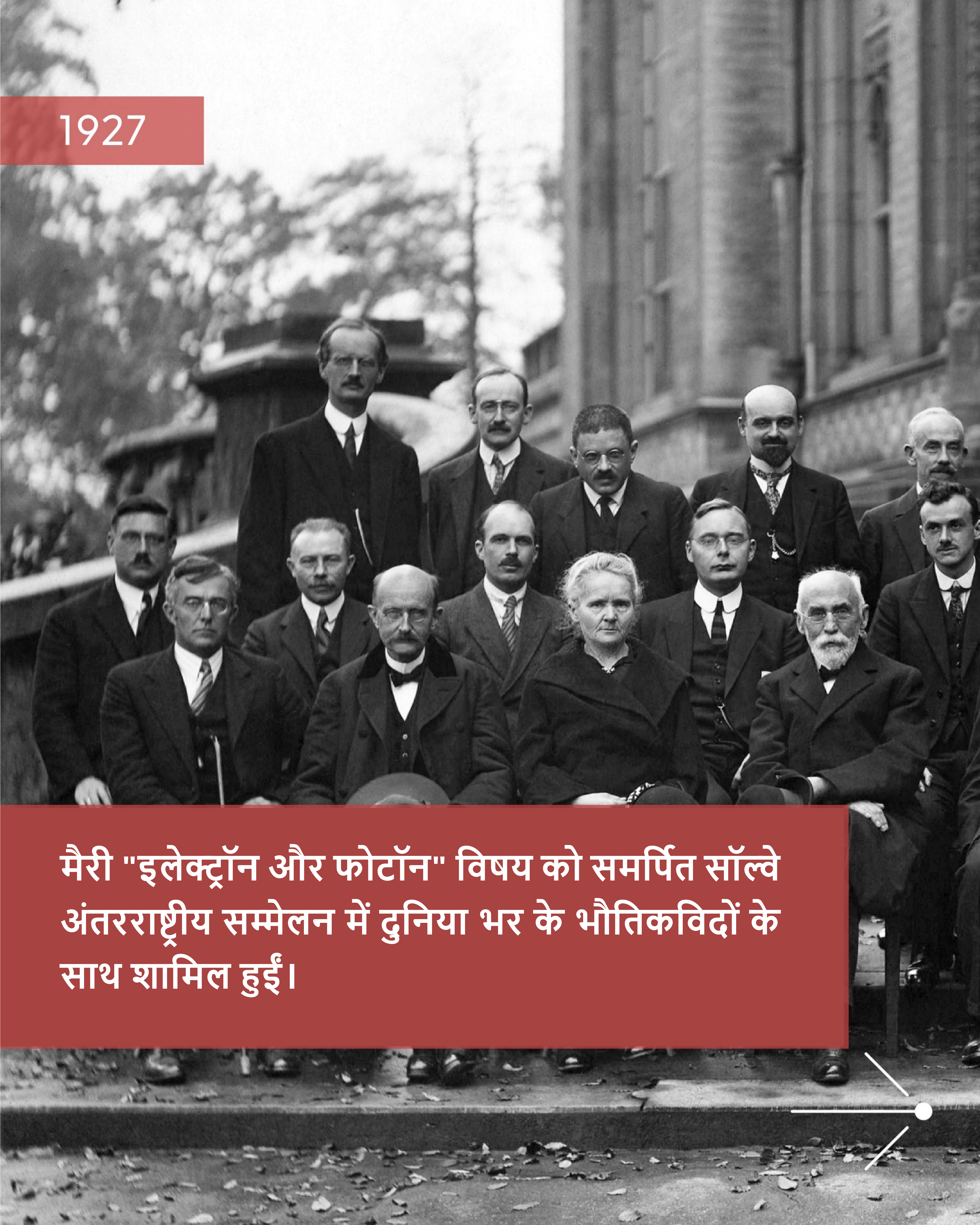


1925

बेटी इरेन के साथ प्रयोगशाला में – इरेन को बाद में उनके पति फ्रेडरिक जोलियो के साथ 1935 का नोबेल रसायन पुरस्कार प्रदान किया गया।

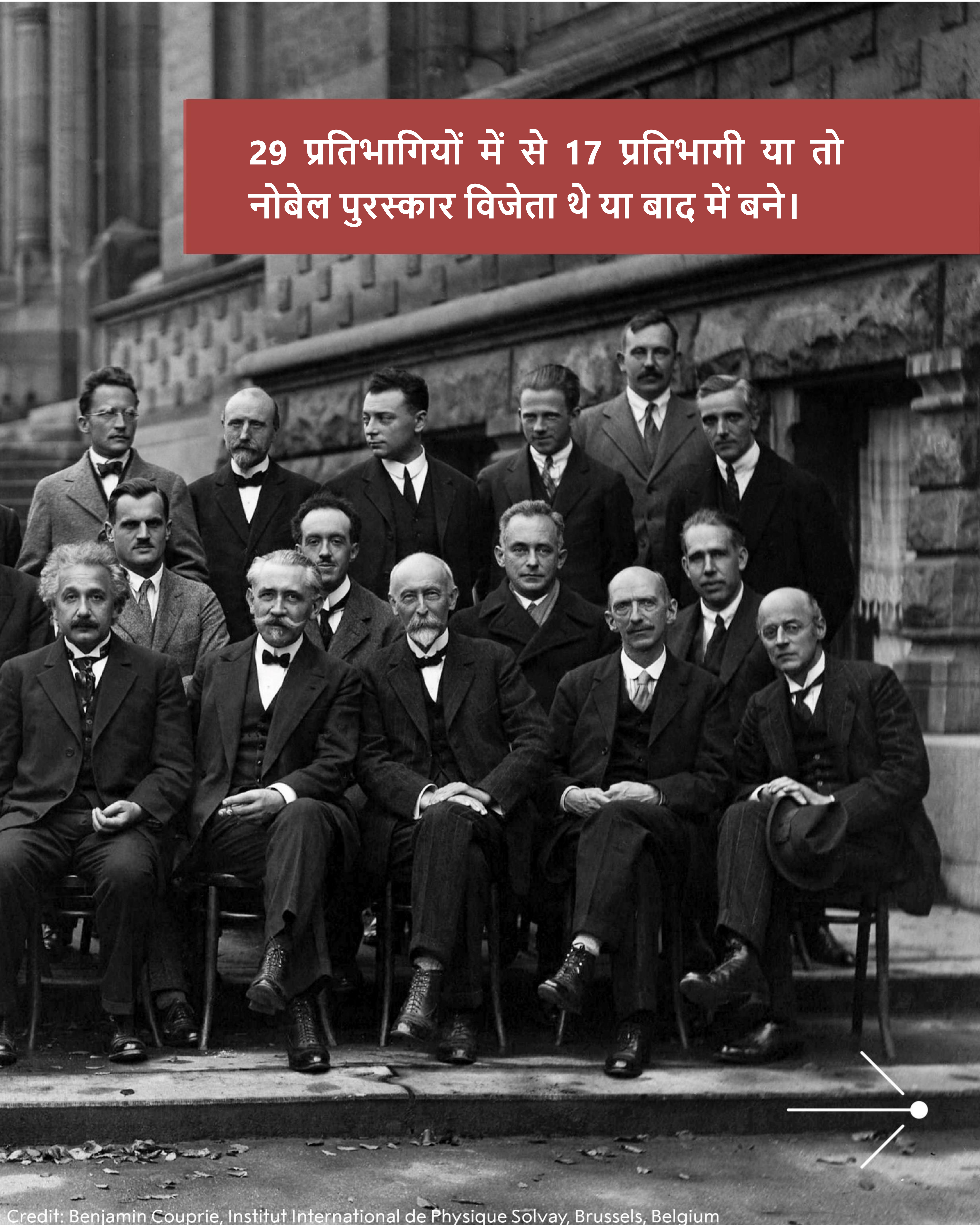
Copyright © Association Curie Joliot-Curie, Photographer unknown

1927



मैरी "इलेक्ट्रॉन और फोटॉन" विषय को समर्पित सॉल्वे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के भौतिकविदों के साथ शामिल हुईं।

29 प्रतिभागियों में से 17 प्रतिभागी या तो नोबेल पुरस्कार विजेता थे या बाद में बने।



Credit: Benjamin Couprie, Institut International de Physique Solvay, Brussels, Belgium



1934

मैरी का निधन 4 जुलाई 1934 को फ्रांस के सैलांश के पास रेडियोघर्मी विकिरण के संपर्क में आने से उत्पन्न ल्यूकेमिया के कारण हुआ।

Smithsonian Institution Archives, Photographer unknown